शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली

पाठ्यक्रम (सत्र: 2026-27)

कक्षा–12

विषय– राजनीति विज्ञान (028)

अध्याय संख्या	पाठ्य–सामग्री
	भाग–ए: समकालीन विश्व राजनीति
	परियोजना कार्य का आबंटन और तैयारी.
1.	**द्विध्रुवीयता का अंत** सोवियत प्रणाली. गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन. सोवियत संघ के विघटन के कारण एवं परिणाम। शॉक थेरेपी और उसके परिणाम। विश्व राजनीति में नई संस्थाएँ–रूस, बाल्कन राज्य, मध्य एशियाई राज्य, रूस और अन्य साम्यवादी देशों के साथ भारत के संबंध।
2.	**सत्ता के समकालीन केंद्र** यूरोपीय संघ। दक्षिण–पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ (आसियान)। चीन का एक आर्थिक शक्ति के रूप में उदय। उभरती शक्तियों के रूप में जापान और दक्षिण कोरिया।
3.	**समकालीन दक्षिण एशिया** पाकिस्तान और बांग्लादेश में सेना और लोकतंत्र। नेपाल में राजशाही और लोकतंत्र।श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतंत्र। भारत–पाकिस्तान संघर्ष। भारत और उसके पड़ोसी। शांति और सहयोग।
4.	**अंतर्राष्ट्रीय संगठन** अंतर्राष्ट्रीय संगठन का अर्थ एवं महत्व।संयुक्त राष्ट्र का विकास।अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की संरचना और कार्य। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग। शीत युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र में सुधार। संयुक्त राष्ट्र की संरचनाओं, प्रक्रियाओं और अधिकार क्षेत्र में सुधार। भारत और संयुक्त राष्ट्र सुधार। प्रमुख एजेंसियां: अन्तराष्ट्रीयमुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ),अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ),अंतर्राष्ट्रीय आणविक ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)। गैर सरकारी संगठन (एनजीओ): एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का निहितार्थ और भविष्य।
5.	**समकालीन विश्व में सुरक्षा** सुरक्षा का अर्थ एवं प्रकार। सुरक्षा की पारंपरिक अवधारणा। सुरक्षा की गैर–पारंपरिक अवधारणाएँ। खतरों के नए स्रोत। सहयोगात्मक सुरक्षा। भारत की सुरक्षा रणनीति।

6.	**पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन** पर्यावरण संबंधी चिंताएँ। वैश्विक साझा संपदा(ग्लोबल कॉमन्स)। सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियाँ। पर्यावरणीय मुद्दों पर भारत का रुख। पर्यावरणीय आंदोलन। संसाधनों की भू-राजनीति। मूल निवासियों के अधिकार।
7.	**वैश्वीकरण** वैश्वीकरण की अवधारणा।वैश्वीकरण के कारण और परिणाम। भारत और वैश्वीकरण। वैश्वीकरण का प्रतिरोध।भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध।
	भाग बी-स्वतंत्र भारत में राजनीति
1.	राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियाँ नए राष्ट्र के लिए चुनौतियाँ-तीन चुनौतियाँ। विभाजन: विस्थापन और पुनर्वास-विभाजन के परिणाम। रियासतों के एकीकरण की समस्या, सरकार का दृष्टिकोण, हैदराबाद, मणिपुर। राज्यों का पुनर्गठन।
2.	एकदलीय प्रभुत्व का युग लोकतंत्र स्थापित करने की चुनौती, पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस का प्रभुत्व-कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति, सामाजिक और वैचारिक गठबंधन के रूप में कांग्रेस, सहिष्णुता और गुटों का प्रबंधन। विपक्षी दलों का उदय।
	●पाठ्यक्रम से योग्यता आधारित, बहुविकल्पीय (MCQs) /केस स्टडी आधारित/स्रोत-आधारित एकीकृत प्रश्न तथा कार्टून और मानचित्र आधारित प्रश्नों के रूप में अभ्यास कराना अपेक्षित है । ● मध्यावधि परीक्षा का पाठ्यक्रम 05 सितंबर 2026 तक पूरा करना अपेक्षित है। ● पुनरावृति ● मध्यावधि परीक्षा ● मध्यावधि परीक्षा के प्रश्न पत्र पर चर्चा।
3.	**नियोजित विकास की राजनीति** राजनीतिक प्रतिद्वंदिता-विकास के विचार, नियोजन, योजना आयोग, प्रारंभिक पहल-प्रथम पंचवर्षीय योजना, तीव्र औद्योगीकरण।

4.	**भारत के विदेश संबंध** अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ. गुटनिरपेक्षता की नीति–नेहरू की भूमिका, दो खेमों से दूरी, अफ्रीकी–एशियाई एकता। चीन के साथ शांति और संघर्ष– चीनी आक्रमण 1962, पाकिस्तान के साथ युद्ध और शांति, बांग्लादेश युद्ध 1971, भारत की परमाणु नीति।
5.	**कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना** राजनीतिक उत्तराधिकार की चुनौती–नेहरु से शास्त्री तक, शास्त्री से इंदिरा गाँधी तक।1967 का चौथा आम चुनाव–चुनाव का सन्दर्भ, गैर–कांग्रेसवाद–चुनावी फैसले, गठबंधन, दलबदल। कांग्रेस में विभाजन–इंदिरा बनाम सिंडिकेट, 1969 का राष्ट्रपति चुनाव। 1971 का चुनाव और कांग्रेस की पुनर्स्थापना–पुनर्स्थापना के बाद के परिणाम, कांग्रेस प्रणाली का पुनर्स्थापन।
6.	**लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट** आपातकाल की पृष्ठभूमि–आर्थिक संदर्भ, गुजरात और बिहार के आंदोलन, न्यायपालिका के साथ संघर्ष। आपातकाल की घोषणा–संकट एवं प्रतिक्रिया, परिणाम। आपातकाल के सबक।आपातकाल के बाद की राजनीति–लोकसभा चुनाव 1977, जनता सरकार, विरासत।
7.	**क्षेत्रीय आकांक्षाएँ** क्षेत्र और राष्ट्र–भारतीय दृष्टिकोण, तनाव के क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, समस्या की जड़ें, बाहरी और आंतरिक विवाद, 1948 से राजनीति, सशस्त्र विद्रोह और उसके बाद, 2002 और उससे आगे। पंजाब–राजनीतिक संदर्भ, हिंसा का चक्र, शांति का मार्ग। पूर्वोत्तर–स्वायत्तता की मांग, अलगाववादी आंदोलन, बाहरी लोगों के खिलाफ आंदोलन, असम और राष्ट्रीय एकता।
8.	**भारतीय राजनीति : नए बदलाव** 1990 के दशक का सन्दर्भ, गठबंधन का युग–गठबन्धन की राजनीति। पिछड़े वर्गों का राजनीतिक उत्थान–मंडल आयोग का लागू किया जाना, राजनीतिक नतीजे। साम्प्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र–अयोध्या विवाद,विधिक कार्यवाही से मैत्रीपूर्ण स्वीकृति तक। नई आम सहमति का उद्भव, लोकसभा चुनाव 2004-2019 , बढ़ती आम सहमति।

- पाठ्यक्रम से योग्यता आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न /केस स्टडी आधारित/स्रोत–आधारित एकीकृत प्रश्न तथा कार्टून/चित्र और मानचित्र आधारित प्रश्नों के रूप में अभ्यास कराना अपेक्षित है।
- 05 दिसंबर 2026 तक वार्षिक पाठ्यक्रम पूरा किया जाना अपेक्षित।
- परियोजना कार्य और इसके मौखिक परीक्षा के मूल्यांकन की तैयारी।
- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृति।

- प्री–बोर्ड परीक्षा की तैयारी।
- प्री–बोर्ड के प्रश्न पत्र पर चर्चा।
- विभाग(DoE) के अभ्यास पत्र और सी बी एस ई के सैंपल पेपर से तैयारी।
- वार्षिक बोर्ड परीक्षा की तैयारी।

निर्धारित पुस्तकें :

1. समकालीन विश्व राजनीति, कक्षा–12, एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित।
2. स्वतंत्र भारत में राजनीति,कक्षा–12, एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित।
3. यद्यपि अतिरिक्त संदर्भ सामग्री (Reference Material) सीबीएसई वेबसाइट पर उपलब्ध है, किन्तु अतिरिक्त संदर्भ सामग्री (Reference Material) केवल कक्षा–कार्य (विषय संवर्धन) के लिए है और इसका मूल्यांकन बोर्ड परीक्षा में नहीं किया जाएगा।

● अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित लिंक पर क्लिक करें या क्यूआर कोड को स्कैन करें।
https://cbseacademic.nic.in/web_material/CurriculumMain27/SecPart2/PoliticalScience_SecP2_2026-27.pdf

Link for the NCERT Books-

https://ncert.nic.in/textbook.php?lhps1=0-

https://ncert.nic.in/textbook.php?lhps2=0-8